रिलीफ | सुवर्णमृग | ७'.१०" x १२'.९"

चित्रकूट के बाद राम, लक्ष्मण और सीता नाशिक के सुरम्य वन में पहुँचे। पंचवटी में पर्णकुटी बनाकर रहने लगे। लक्ष्मण सुरक्षा संभालते रहे। एक दिन अचानक सीता की नजर सुनहरे हिरण पर पड़ी। उसे पाने के लिए वह व्याकुल हुईं। राम उसका पीछा करने चल पड़े।

After living in Chitrakoot for a few years, Ram, Sita and Lakshman left. They reached a beautiful forest, Panchwati, at Nashik, and began to live there in a thatched hut. One day, while Lakshman was on guard, Sita suddenly spotted a golden deer. As she desired it, she asked Ram to catch it for her. Ram went in chase of it.